



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

11/11/98  
5/11/98

सं० 258 ]  
No. 258]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, नवम्बर 26, 1998/अग्राहायण 5, 1920  
NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 26, 1998/AGRAHAYANA 5, 1920

वाणिज्य मंत्रालय

( पाटनरोधी तथा सम्बद्ध शुल्क महाविशालय )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 1998

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : पी टर्ट बुटाइल कैटेकोल के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच—प्रारंभिक जांच परिणाम

सं. 19/1/97/ए.डी.डी.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमा-शुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

क. प्रक्रिया

जांच के संबंध में निम्नलिखित क्रियाविधि का पालन किया गया है :—

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके पश्चात प्राधिकारी कहा जाएगा) को नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स के. के. पुंजा एण्ड संस से लिखित में आवेदन प्राप्त हुआ है जिसमें फ्रांस मूल के अथवा वहां से निर्यातित पी टर्ट बुटाइल कैटेकोल के पाटन का आरोप लगाया गया है।
- (ii) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त प्रमाण के आधार पर फ्रांस से पी टर्ट बुटाइल कैटेकोल के आयातों के विरुद्ध जांच शुरू करने का निर्णय लिया है। प्राधिकारी ने नियमों के उप-नियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्रवाई शुरू करने से पहले पाटन के आरोप प्राप्त होने के विषय में फ्रांस के दूतावास को सूचित कर दिया था।
- (iii) प्राधिकारी ने 19 फरवरी, 1998 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण, में प्रकाशित किया गया था, जिसके द्वारा फ्रांस मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए पी टर्ट बुटाइल कैटेकोल के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू की गई जिसे सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 सीमाशुल्क उप शीर्ष 2915.39 के तहत वर्गीकृत किया गया है।
- (iv) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति फ्रांस से ज्ञात निर्यातक (जिसके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) तथा भारत में उद्योग संघों को भेजी और नियम 6(2) के अनुसार उन्हें लिखित रूप में अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर दिया।

✓॥ प्राधिकारी ने भारत में पी टर्ट बुटाइल कैटेकोल के ज्ञात आयातकों को सार्वजनिक सूचना की एक एक प्रति भेजी और उन्हें सलाह दी कि पत्र मिलने के 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराएं ;

✓।॥ केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क बोर्ड॥सी बी ई सी॥ से भी अनुरोध किया गया था कि जांच अधीन सहित पिछले तीन वर्षों के पी टर्ट बुटाइल कैटेकोल के आयातों से संबंधित व्यौरे उपलब्ध कराएं । परन्तु सी बी ई सी से कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई ।

✓।।॥ प्राधिकारी ने उक्त नियम 6॥3॥ के अनुसार याचिका की प्रति फ्रांस से ज्ञात निर्यातक तथा फ्रांस के दूतावास को प्रदान की ;

✓।।।॥ प्राधिकारी ने नियम 6॥4॥ के अनुसार संबंधित माल के ज्ञात निर्यातक रोहने पोलैंस फ्रांस को अपेक्षित जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रश्नावली भेजी । लेकिन चीन जनवादी गणराज्य से किसी भी निर्यातक से कोई सूचना नहीं मिली ;

।\*॥ सम्बद्ध देश के नई दिल्ली स्थित दूतावास को नियम 6॥2॥ के अनुसार जांच की शुरुआत के बारे में इस अनुरोध के साथ सूचना भेजी गई कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें । निर्यातक को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की एक सूची के साथ दूतावास को भी भेजी गई थी ;

\*॥ भारत में पी टर्ट बुटाइल कैटेकोल के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों को भी एक प्रश्नावली भेजी गई थी जिसमें नियम 6॥4॥ के अनुसार आवश्यक सूचना मांगी गई थी ;

॥क॥ इंडियन पेट्रोकेमिकल कारपोरेशन

॥ख॥ विनायल कैमिकल्स लि०

\*।॥ याचिकाकर्ता से क्षति के बारे में अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी जो प्राप्त हो गई थी ;

\*।।॥ प्राधिकारी ने विभिन्न हिंस्र पक्षों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश सार्वजनिक फाइल के रूप में हिंस्र पक्षों के निरीक्षण हेतु उपलब्ध कराएं ;

\*।।।॥ सामान्यतया स्वीकृत लेखीकन सिद्धांतों और याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के निर्माण तथा बिक्री हेतु उत्पादन की इष्टतम

लागत का पता लगाने के लिए लागत जांच भी की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या डीपिंग मार्जिन से कम पाटन रोधी शुल्क लगाना धरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा ;

\*1V॥ यह जांच 1 अक्टूबर, 1996 से 30 सितंबर, 1997 तक की अवधि के लिए की गई।

#### ख. याचिकाकर्ता के विचार

2. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में निम्नलिखित मामले उठाए:

क॥ के०के० पुंजा एंड संस ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के विनिर्माण के लिए रास्ता खोला है जो नेशनल कैमिकल लेकोरेटरीज द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी पर आधारित है। के० के० पुंजा प्रौद्योगिकी के साथ-साथ संबद्ध वस्तुओं का निर्यात भी कर रहा है।

ख॥ रहोने पोलैरन ने पहले भारत में एक स्थानीय एजेंट की नियुक्ति की थी जिसे उन्होंने असाधारण छूट प्रदान की। याचिकाकर्ता को भारत में संबद्ध वस्तुओं के विनिर्माण को रोकने के लिए निर्यात के कार्यालय से कड़ी चेतावनी मिली कि नहीं तो मंदी का सामना करना पड़ेगा। इसके बाद लागत से काफी कम कीमतों पर वस्तुओं का पाटन किया गया।

ग॥ विश्व में संबद्ध वस्तुओं के तीन प्रमुख सप्लायर्स हैं, अर्थात् फ्रांस के रोहने पोलैस, इटली की बोरेगार्ड इटालिया और यू०के० के डाई निप्पोन हैं।

घ॥ भारत में संबद्ध वस्तुओं की औसत मांग लगभग 35 मी.टन है और विश्व की मांग लगभग 3000-4000 मी.टन है। यहां बिक्री में मामूली हानि भी याचिकाकर्ता के कार्य को बुरी तरह प्रभावित कर सकती है। याचिकाकर्ता थोड़े समय तक भी अनुचित कीमतों का सामना नहीं कर सकता है।

#### ग. निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

3. रोन पुल्लेक ने जांच को आरम्भ करने की सूचना का उत्तर दिया है। किन्तु कंपनी ने अपना उत्तर 29.6.98 को ही दिया, यद्यपि प्राधिकारी ने कंपनी के अनुरोध के अनुसार उसे 30 अप्रैल, 1998 तक दायर करने की अनुमति दी थी। इसीलिए प्राधिकारी प्रारंभिक निर्धारण के उद्देश्य से कंपनी द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तर को स्वीकार नहीं कर सकते हैं। यद्यपि उनके द्वारा व्यक्ति किस गए विचारों पर नीचे चर्चा की गई है और उपयुक्त स्थानों पर उन पर कार्रवाई की गयी है।

॥क॥ कंपनी के विशेष प्रकार के रसायनों, रेशों और पॉलीमर का व्यापार इकट्ठा किया गया है और उसे एक अलग कंपनी रोडिया कीमी में मिलाया गया है ।

॥ख॥ कंपनी पी टी प्युटाइल कैटकोल बनाने के लिए आवश्यक कच्ची सामग्री अर्थात् कैटकोल का उत्पादन करती है ।

॥ग॥ कंपनी भारत में विभिन्न निरोधकों को बेच रही है, पी टी बी सी उनमें से एक है । निर्यातक की नीति भारत में अपने निरोधकों के व्यापार को बढ़ाने की है । कंपनी किसी भी कीमत पर नए व्यापार प्राप्त करने के लिए निरुद्देश्य खोज नहीं कर रही है । यह हमारे निरोधक विभाग को पूर्णता प्रदान करने के लिए एक योजना का पालन कर रही है और एक योजनाबद्ध तथा सुनियोजित तरीके से सिनर्जीज की खोज कर रही है । यूरोप, उत्तरी अमरीका और एशिया में कीमत निर्धारण<sup>में अन्तर</sup> है जिसमें सामान्यतः एशियाई क्षेत्र में सबसे कम कीमते होती है । एशिया के अन्दर ताईवान और कोरिया में प्रस्तुत की गयी कीमते भारत की तुलना में कम है । कीमत उस अन्य व्यापार पर निर्भर करती है, जिसे कंपनी कर सकती है । कीमत निर्धारण स्थानीय बाजार की दशाओं के अनुसार है ।

॥घ॥ पी टी सी पर चालू आयात शुल्क 35% का है जबकि याचिकाकर्ता ने 36% बताया है ।

॥ङ॥ वह कंपनी जिसका नाम याचिकाकर्ता द्वारा निर्यातक के एजेंट के रूप में इंगित किया गया है, वह वास्तव में वितरक है जो कि पीटी सी का स्टॉक और उसकी बिक्री करती है। भारत में निगमित उनकी कंपनी द्वारा मांग पत्र तैयार किया जाता है ।

॥च॥ याचिकाकर्ता द्वारा महसूस की जा रही क्षति प्रमुख कच्ची सामग्रियों के लिए याचिकाकर्ता द्वारा अदा की गयी उच्चतम कीमत के कारण है ।

#### ६. उठार गए मुद्दों की जांच

4. निर्यात, आयातकों याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत किए गए विचारों की जांच की गई है, उन पर विचार किया गया है और इसके बाद उन पर उचित स्थानों पर कार्रवाई की गयी है ।

### क. विपाराधीन उत्पाद

5. वर्तमान जांच में विपाराधीन उत्पाद सभी प्रकारों/ग्रेडों/शुद्धताओं के पैरा टीईयरी ब्यूटाइल कैटेकोल, इस रिपोर्ट में पी टर्ट ब्यूटाइल कैटेकोल या पी टी/बी के रूप में उल्लेख किया गया है<sup>॥</sup> पी टर्ट ब्यूटाइल कैटेकोल को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की अनुसूची 1 के सीमाशुल्क उप शीर्ष 2915.39 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।

6. पी टी/बी<sup>बी</sup> एक बहुलकीकरणनिरोधक है और स्टीरीन, बुटाडीन, विनाईल क्लोराइड और विनाईल स्टीरेट जैसे बहुलक के बहुलकीकरण को रोकता है। पी टी बी सी को मिलाने से ये मोनोमर्स और अधिक समय तक टिकते हैं। पी टी बी सी को विभिन्न रूपों में बेपा जाता है।

7. किन्तु, ऊपर उल्लिखित विनिर्माण प्रक्रिया, कार्य एवं उपयोग तथा सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक और वर्तमान जांच के क्षेत्र पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

### घ. समान वस्तुएं

8. यह जांच करने के लिए कि क्या घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पी टर्ट ब्यूटाइल कैटेकोल फ्रांस से निर्यातित पी टर्ट ब्यूटाइल कैटेकोल के समान वस्तु है या नहीं, भौतिक विशेषताओं {आकार, रासायनिक संरचना, कच्ची सामग्री} विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य तथा उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण तथा विपणन एवं वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं पर विचार किया गया है। याचिकाकर्ता द्वारा किया है कि फ्रांस से निर्यातित वस्तुओं और याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुओं की विशेषताएं एक दूसरे से काफी मिलती जुलती हैं और दोनों तकनीकी एवं

रूपान पर प्रयुक्त की जाती हैं।

वाणिज्य रूप से एक दूसरे के इस संबंध में याचिकाकर्ता के दावे के विरुद्ध कोई तर्क नहीं दिया गया है। नियम 2(घ) के अर्थ के अंतर्गत घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं फ्रांस से निर्यात की गई वस्तुओं के समान वस्तु है।

### घ. घरेलू उद्योग

१. यह याचिका मैसर्स के.के.पुन्जा संठ संस, 7 रवीमजी पुंजा, भाटिया निदास, 233, सैम्युअल स्ट्रीट, मुम्बई 400003 द्वारा दायर की गई है। भारत में पी टर्ट ब्यूटाइल कैटेकोल का एक और उत्पादक मैसर्स पारसीनिक केमिकल्स वापी हैं। किन्तु, याचिकाकर्ता का उत्पादन भारत में कुल घरेलू उत्पादन का एक प्रमुख भाग है, जैसा कि निम्नांकित से पता चलता है:

#### १. हिस्सा

के.के.पुन्जा संठ संस

62.5

पारसीनिक केमिकल्स

37.5

10. इस प्रकार याचिकाकर्ता वर्तमान याचिका को दायर करने की स्थितिमें हैं और उपर्युक्त नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग हैं।

### ज. प्रादुर्भाव

#### सामान्य मूल्य

11. धारा 9 क(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

11.1 समान वस्तु के लिए व्यापार के सामान्य रूप में तुलनीय मूल्य, जब वह वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के निमित्त हो जिसका निर्धारण उप धारा 6 के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया गया हो, या

11.1.1 जब व्यापार के सामान्य रूप में निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में समान वस्तु की कीर्षी न हो या जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति या कीर्षी की कम मात्रा के कारण ऐसी कीर्षी से उचित तुलना नहीं की जा सके, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा;

11.1.2 समान वस्तु का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य जब उसका निर्यात निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी अन्य देश से किया जाए जिसका निर्धारण उप धारा 6 के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए; या

11.1.3 उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु उत्पादन लागत; जिसमें प्रशासनिक, कीर्षी और सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उपयुक्त राशि जोड़ी गई हो, जिसका निर्धारण उपधारा 6 के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए;

किन्तु यदि वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से इतर किसी देश से किया गया हो तथा जहाँ वस्तु को निर्यात वाले देश से होकर केवल यानान्तरित किया गया हो या ऐसी वस्तु का निर्यात वाले देश में उत्पादन नहीं किया जाता हो या निर्यात वाले देश में कोई भी तुलनात्मक कीमत नहीं होतब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा ।

12. अगर बताई गई धारा के अनुसार प्राधिकारी ने फ्रांस के ज्ञात निर्यातकों को जाँच से संगत सूचना प्रस्तुत करने और टिप्पणियाँ यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया । प्राधिकारी ने भारत स्थित फ्रांस के दूतावास को भी लिखा था । यद्यपि प्राधिकारी ने निर्यातकों के अनुरोध पर रोन पालैंक को 30 अप्रैल, 1998 तक प्रत्युत्तर देने की अनुमति दी थी लेकिन कंपनी ने अपना प्रत्युत्तर 26 जून, 1998 को दिया । प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत तारीख के काफी पश्चात् कंपनी द्वारा प्रत्युत्तर देने के बावजूद, प्राधिकारी ने प्रत्युत्तर को स्वीकार कर लिया । प्राधिकारी ने निर्यातक के कार्यालय में कर्मचारियों का एक दल भेजा जिससे कि इन जाँचों के प्रयोजन के लिए उक्त सूचना का समुचित सत्यापन किया जा सके । जाँच दल ने निर्यातकों द्वारा किए गए दावों के समर्थन में कुछ जानकारी देने का अनुरोध किया जो कंपनी ने नहीं दिया है ।

13. जाँच शुरूआत के नोटिस का किसी भी आयातक ने या अन्य किसी इच्छुक पार्टी {यो} ने प्रत्युत्तर नहीं दिया है, हालाँकि में विनय कैमिक्स {इंडिया} लि०, ने समय बढ़ाने के लिए अनुरोध भी किया था, जिसकी अनुमति प्राधिकारी ने दे दी थी ।

14. याचिकाकर्ता ने फ्रांस में बिक्री के लिए रोन पालैंक द्वारा निर्धारित दर के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है । इस आधार पर सामान्य मूल्य ~~XXXX~~

प्रति किलोग्राम अमरीकी डालर बैठता है । याचिकाकर्ता ने रोन पालैंक द्वारा यू०एस०ए० तथा फिलिपीन्स में की गई बिक्री के लिए निर्धारित की गई दर के आधार पर अपने सामान्य मूल्य के दावे का समर्थन किया है । तथापि, निर्यातक ने चूँकि सूचना प्रस्तुत की है, इसलिए निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना

के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है। निर्यातक ने इन दो बाजारों में बिक्री के लिए निम्नलिखित मूल्य समायोजन का दावा किया है :-

	भारत को निर्यात	घरेलू बाजार में बिक्री
पैकिंग	₹ ४००	₹ ४००
अन्तर्देशीय भाड़ा	₹ ४००	₹ ४००
तकनीकी सेवाएँ	₹ ४००	₹ ४००
कुल :	₹ १२००	₹ १२००

15. इस बात को देखते हुए कि याचिकाकर्त्ता ने घरेलू बाजार में बिक्री के लिए मूल्य समायोजन का कोई दावा नहीं किया है प्राधिकारी ने निर्यातक के दावों के आधार पर मूल्य समायोजन की अनुमति देना उचित समझा है। इन दोनों बाजारों में व्यय की समान राशि के संबंध में पैकिंग के लिए किसी मूल्य समायोजन की माँग नहीं की गई है। प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर अन्तर्देशीय माल-भाड़े के लिए समायोजन को स्वीकार किया है। तकनीकी सेवाओं के लिए समायोजन के संबंध में निर्यातक ने इस प्रयोजन से मूल्य समायोजन के दावे के संबंध में कोई साक्ष्य या आधार प्रस्तुत नहीं किया है। निर्यातक जाँच के समय भी कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सका। इसलिए, निर्यातक के अपुष्ट दावे के लिए इस प्रयोजन से कोई मूल्य समायोजन नहीं किया गया है।

16. उपर्युक्त आधार पर सामान्य मूल्य निम्नानुसार बनता है :-

	राशि प्रति किग्रा अमरीकी डालरमें
बिक्री मूल्य	₹ ४००
घटा : अन्तर्देशीय मालभाड़ा	₹ ४००
सामान्य मूल्य	₹ ४००

### निर्यात कीमत :

17. निर्यातक द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत इस प्रयोजन से याचिकाकर्त्ता द्वारा किए गए दावे से मेल खाती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि याचिकाकर्त्ता द्वारा दावा की गई कीमत रोजिया चिमी द्वारा दावा की गई कीमत से कम है।



याचिकाकर्त्ता द्वारा किया गया दावा रोन पल्लिक द्वारा रखे गए और आयातक मै० इंडियन पेट्रोकेमिकल कॉर्पोरेशन द्वारा स्वीकार की गई दर पर आधारित है। हालांकि निर्यातक ने बीजकों की कुछ फोटोकॉपी प्रस्तुत की हैं, लेकिन जाँच के समय निर्यातक कंपनी द्वारा भारत को किए गए निर्यातों के संबंध में कोई विस्तृत सूचना उपलब्ध नहीं करा सका।

18. उपर्युक्त को देखते हुए, प्राधिकारी ने प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजन से याचिकाकर्त्ता द्वारा किए गए दावों के आधार पर सीआईएफ निर्यात मूल्य को स्वीकार करना उचित समझा है।

19. कारखाना द्वार पर निर्यात मूल्य निर्धारण के लिए सीआईएफ निर्यात मूल्य से मूल्य समायोजन के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्त्ता ने सीआईएफ निर्यात मूल्य के साथ किसी प्रकार के मूल्य समायोजन का दावा नहीं किया है। तथापि निर्यातक ने घरेलू बाजार में निर्यात मूल्य और बिक्री से निम्नलिखित मूल्य समायोजन का दावा किया है :-

	भारत को निर्यात	घरेलू बाजार में बिक्री
पैकिंग	× × ×	× × ×
अन्तर्देशीय मालभाड़ा	× × ×	× × ×
तकनीकी सेवा	× × ×	× × ×
कुल	× × ×	× × ×

20. निर्यातक से उपर्युक्त मूल्य समायोजनों के लिए अपने दावों के समर्थन में आवश्यक सूचना देने का आग्रह किया गया था। तथापि, निर्यातक जाँच दल को आवश्यक सूचना देने में असमर्थ रहे। हालांकि निर्यातक ने अपने दावे को प्रमाणित नहीं किया है, फिर भी प्राधिकारी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर मूल्य समायोजन की अनुमति देने को उचित मानता है क्योंकि याचिकाकर्त्ता ने भी मूल्य समायोजन के संबंध में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है। पैकिंग व्यय के प्रयोजन से इन दोनों बाजारों में एक समान व्यय को देखते हुए मूल्य समायोजन की कोई जरूरत नहीं है। प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर अन्तर्देशीय मालभाड़े के लिए समायोजन को स्वीकार किया है।

21. उपर्युक्त आधार पर कारखाना द्वार पर निर्यात मूल्य निम्नानुसार बनता है :

	राशि {प्रतिक्रिया अमरीकी डालर में}
निर्यात मूल्य	× × ×
अन्तर्देशीय मालभाड़ा	× × ×
कारखाना द्वार पर निर्यात मूल्य	× × ×
<u>सामान्य मूल्य तथा निर्यात मूल्य की तुलना :</u>	

22. तुलना से संबंधित नियम निम्नानुसार हैं :

"डंपिंग का मार्जिन निकालते समय, निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा । यह तुलना व्यापार के एक समान स्तर पर सामान्यतः कारखाना द्वार स्तर पर की जाएगी और यथासम्भव एक ही समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी जो अंतर तुलनात्मक रूप से कीमत को प्रभावित करते हैं उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण दोष के आधार पर समुचित छूट दी जाएगी; अंतर में शामिल हैं बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं भौतिक विशेषताएं तथा कोई अन्य अंतर जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं ।"

23. सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना के उद्देश्य से प्राधिकारी याचिकाकर्त्ता, रोडिया चिमी द्वारा प्रस्तुत सूचना और प्राधिकारी के पास उपलब्ध दूसरी प्रकाशित सूचना को हिसाब में लेकर विचार कर सकते हैं । निर्धारित किया गया सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत जैसाकि उपर वर्णित किया गया है कारखाना द्वार के स्तर पर है और इसलिए भारित औसत निर्यात कीमत के साथ सामान्य मूल्य की तुलना पर विचार किया जाना चाहिए ।

24. पाटनसीमा 30% निक्लती है ।

#### क्षति और कारणात्मक संबंध

25. उपर नियम 11 अनुबंध-2 के अंतर्गत जब क्षति का निष्कर्ष निकाला जाता है तो ऐसे निष्कर्ष में घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का निर्धारण भी शामिल होगा ।

ऐसा करते समय सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखा जाएगा जिनमें शामिल है - डम्प किए गए आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनका प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों का परिणामी प्रभाव। कीमतों पर डम्प किए गए आयातों के प्रभाव पर विचार करते हुए, इस बात की जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में डम्प किए गए आयातों द्वारा कीमतों में पर्याप्त कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव पर्याप्त मात्रा में कीमतों को अन्यथा कम करना या कीमतों में होने वाली वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी बढ़ गई होती।

26. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के पड़ने वाले प्रभाव की जांच करने के लिए उक्त नियमों के अनुबन्ध-11 § 1.14 के अनुसार ऐसे सूचकों पर विचार किया जा सकता है, जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है, जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टाक, लाभदत्ता, कुल बिक्री आय, डंपिंग मात्रा तथा मार्जिन आदि।

27. प्रादित आयातों की मात्रा और बाजार हिस्सा:

फ्रांस से पीटर्ट च्युटाइल कैटाकोल का आयात 1996 में 2.5 मी०टन था जो 1997 में बढ़कर 8.5 मी०टन हो गया जिसके परिणाम स्वरूप भारत में समग्र रूप से तथा खसत के सापेक्ष भी आयातों में सम्पूर्ण रूप से तीव्र वृद्धि हुई।

28. फ्रांस से निर्यात कीमत

फ्रांस से पीटर्ट च्युटाइल कैटाकोल की सी आईएफ निर्यात कीमत § 1996 के ~~के~~ प्रति किग्रा अमरीकी डालर से घटकर § 1997 में ~~के~~ प्रति किग्रा अमरीकी डालर रह गई।

29. घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले आर्थिक मापदण्ड : क्षति को दर्शाने वाले

विविध मापदण्डों के संबंध में स्थिति निम्नानुसार है :

§ क § उत्पादन और क्षमता उपयोग:- याचिकाकर्ता का उत्पादन 1994-95 में ~~के~~ मी० टन से गिरकर 1996-97 में ~~के~~ मी० टन रह गया और जांच अवधि के दौरान यह ~~के~~ मी० टन हो गया।

### § ४४ सम्पूर्ण रूप में बिक्री

सम्पूर्ण मात्रा में बिक्री § 1994-95 में ~~\*\*\*~~ मी० टन से § 1996-97 में ~~\*\*\*~~ मी० टन तक की महत्वपूर्ण गिरावट आई और जाँच अवधि में बिक्री ~~\*\*\*~~ मी० टन हुई ।

§ ४४ स्टॉक :- याचिकाकर्ता के पास पी टर्ब ब्यूटाइल कैटेकोल के स्टॉक में पिछले वर्षों की तुलना में जाँच अवधि के दौरान वृद्धि हुई यह § 1994-95 में ~~\*\*\*~~ मी० टन से बढ़कर § 1995-96 में ~~\*\*\*~~ मी० टन हो गया और जाँच अवधि में ~~\*\*\*~~ मी० टन हो गया ।

### § ४५ औसत बिक्री मूल्य

घरेलू उद्योग को औसत ईकाई बिक्री मूल्य ~~\*\*\*~~ प्रति किग्रा § 1994-95 से घटकर ~~\*\*\*~~ रूपर प्रति किग्रा § 1995-96 और जाँच अवधि के दौरान ~~\*\*\*~~ रूपर प्रति किग्रा रह गयो । जाँच अवधि के दौरान औसत बिक्री मूल्य उत्पादन लागत से <sup>कम</sup> थो जिसके परिणामस्वरूप याचिकाकर्ता को घाटा हुआ ।

### § ४६ कीमत में कटौती

प्राप्त से हुए निर्यातों में भारतीय बाजार में पी टर्ब ब्यूटाइल कैटेकोल की कीमतों में पर्याप्त कटौती की गयी थी ।

### § ४७ लाभ / घाटा

याचिकाकर्ता पी टर्ब ब्यूटाइल कैटेकोल को अपनी बिक्री से मुनाफा कमा रहा था । तथापि, जाँच अवधि में उत्पादन लागत से बहुत कम दर पर बिक्री होने से याचिकाकर्ता को वित्तीय नुकसान हुआ है ।

### § ४८ क्षति के संबंध में निष्कर्ष

- संबंध देश से हुए पी टर्ब ब्यूटाइल कैटेकोल के निर्यातों से घरेलू उद्योग अपनी कीमतों को अलाभकारी स्तर तक कम करने के लिए बाध्य हुआ और घरेलू उद्योग को उत्पादन लागत और उचित बिक्री कीमत की मूल्य करने

से रोका गया जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को वित्तीय नुकसान हुआ ।

- घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न आर्थिक संकेतक जैसे उत्पादन क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, औसत बिक्री प्राप्ति, स्टॉक, ऋनियां सम्मिलित रूप से और संघर्षी रूप से इस तथ्य को प्रमाणित करते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है । ~~भले ही कुछ मानक क्षति नहीं~~

31. ~~प्रदर्शित करते हैं~~ । इस प्रकार यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग को वास्तव में क्षति हुई है ।

### [अ] भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

32. आम तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य उस पाटन को समाप्त करना है जो घरेलू उद्योग को नुकसान पहुँचा रहा है और भारतीय बाजार में खुले स्पर्धित प्रतिस्पर्धा की स्थिति की पुनः बहाली करना है जो देश के आम हित में है ।

33. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध सामान के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप निर्यात बाजार में उनके उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी । विशेषकर तब जबकि पाटनरोधी शुल्क को लेखी उस राशि तक ही सीमित कर दी जाए जो कि घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यकता है इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभ समाप्त हो सकेंगे, भारतीय उद्योग के ह्रास को रोका जा सकेगा । पोर्टेबल बुटाइल कैटेगोरी के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध हो सकेंगे । पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार से कम नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं को होने वाली उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा ।

34. प्राधिकारी घरेलू उद्योग के लिए उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटन रोधी शुल्क की मात्रा का पता लगाने के लिए भारत में घरेलू उद्योग के लिए पो टेर्ट बुटाइल कैटेकोल की उपरि लिखी मूल्य पर विश्वास किया है ।

### ॥ ३५ ॥ पहुंच मूल्य

35. पहुंच मूल्य का निर्धारण सीमाशुल्क के प्रचलित स्तर और एक प्रतिशत उतराई जोड़ने के पश्चात् डम्पिंग से संबंधित देश में यथा निर्धारित पुनः से होने वाले पो टेर्ट बुटाइल कैटेकोल के भारत औसत निर्यात कीमत के आधार पर किया जा सकता है ।

### ४. (अ) निष्कर्ष

36. उपरोक्त पर विचार करने के बाद यह देखा जा सकता है कि क. पुनः के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पो टेर्ट बुटाइल कैटेकोल भारत को उसके सामान्य मूल्य से कम पर निर्यात किया गया जिसके परिणामस्वरूप इन निर्यातकों द्वारा डम्पिंग हुई ।

ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है,

ग. क्षति संबंधित देशों से होने वाले आयातों के कारण हुई है ।

यह आवश्यक समझा जाता है कि अनन्तिम रूप से निर्धारण होने तक संबंधित देशों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यात होने वाले पो टेर्ट बुटाइल कैटेकोल के सभी आयातों पर जांच होने तक अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए ।

37. प्राधिकारी ने विचार किया कि क्या डम्पिंग मार्जिन से कम शुल्क लगाना क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा । इस उद्देश्य के लिए निर्यातों की

पहुँच कीमत को तुलना घरेलू उद्योग की उचित बिक्री कीमत से की गई जो कि जांच अवधि के लिए निर्धारित की गई थी। जहाँ यह अन्तर डम्पिंग मार्जिन से भी कम था, वहाँ डम्पिंग मार्जिन से कम शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है। तदनुसार यह प्रस्ताव किया जाता है कि इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से <sup>प्रारंभ</sup> के मूल के या वहाँ से निर्यात किए जाने वाले सोमा शुल्क टैरिफ के अध्याय 29 के अन्तर्गत आने वाले <sup>अन्तर्गत आने वाले</sup> <sup>भारत में होने वाले</sup> सभी आयातों पर अन्तिम निर्धारण होने तक अन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। पाटनरोधी शुल्क 300% <sup>प्रति किग्रा</sup> रुपए/और <sup>प्रति किग्रा</sup> आयात को पहुँच कीमत के बोझ का अन्तर होगा जो 36% <sup>प्रति किग्रा</sup> के अन्तर्गत के अधीन होगा।

38. इस उद्देश्य के लिए आयातों को पहुँच मूल्य सोमा शुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सोमा शुल्क विभाग द्वारा यथा निर्धारित निर्धारण योग्य मूल्य होगी और इसमें सोमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 <sup>के</sup> और 9 के तहत लगने वाले शुल्कों को छोड़कर सभी सोमा शुल्क शामिल होंगे।

### (६) आगे की क्रिया विधि

39. प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित क्रिया विधि अपनाई जाएगी :-

- क. प्राधिकारी सभी हित रख पाटियों से इन निष्कर्षों पर टिप्पणियाँ आमंत्रित करेगा और अंतिम निष्कर्षों में उन पर विचार किया जाएगा,
- ख. सम्बद्ध ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, यापिकाकर्ता और अन्य हित रख पाटियों को प्राधिकारी द्वारा अलग से लिखा जा रहा है। जो अपने विचारों से अवगत कराना चाहते हैं वे इस पत्र के जारी होने की तिथि से 40 दिनों के भीतर आवेदन कर सकते हैं। कोई अन्य हित रख पार्टी भी इन जांचों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर विचार रख सकती है।

- ग. प्राधिकारी आवश्यक सीमा तक जांच करेगा । इस स्तर पर कोई नया साक्ष्य स्वीकार नहीं किया जाएगा;
- घ. प्राधिकारी मौखिक अनुरोध के लिए सभी हितबद्ध पार्टियों को मौका देगा जिसके लिए सभी ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को अलग से तारीख और समय की सूचना दी जाएगी ।
- ङ. प्राधिकारी अंतिम निष्कर्षों की घोषणा करने से पूर्व आवश्यक तथ्यों को उजागर करेगा ।

रत्ति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

### MINISTRY OF COMMERCE

(Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 26th November, 1998

### Preliminary Findings

Subject : Anti dumping investigation concerning imports of P Tert Butyl Catechol—Preliminary Findings

19/1/97/ADD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

### A. PROCEDURE

The procedure described below has been followed with regard to the investigations:

- i. The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the Rules, received written application from M/s. K K Poonja & Sons, on behalf of the domestic industry, alleging dumping of P Tert Butyl Catechol, originating in or exported from France;
- ii. The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner, decided to initiate dumping investigations against imports of P Tert Butyl Catechol from France. The Authority notified the Embassy of France about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules;
- iii. The Authority issued a public notice dated 19<sup>th</sup> Feb., 1998 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of P Tert Butyl Catechol, classified under custom sub-headings 2915.39 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975, originating in or exported from France;



- iv. The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporter from France (whose details were made available by the petitioner) and industry associations in India and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the rule 6(2);
- v. The Authority forwarded a copy of the public notice to the known importers of P Tert Butyl Catechol in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;
- vi. Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of P Tert Butyl Catechol for the past three years, including the period of investigations. No information was however, received from CBEC;
- vii. The Authority provided a copy of the petition to the known exporter from France and the Embassy of France in accordance with rules 6(3) supra;
- viii. The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to Rhone Poulenc, France, the known exporter of the subject goods, in accordance with the rule 6(4);
- ix. The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigations in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporter was also sent to the Embassy, along with a list of known exporter(s)/producer(s);
- x. A questionnaire was sent to the following known importers of P Tert Butyl Catechol in India calling for necessary information in accordance with rule 6(4):  
  
(a) Indian Petrochemical Corpn.,  
(b) Vinyl Chemicals Ltd.,
- xi. Additional information regarding injury was sought from the petitioner, which was also received;
- xii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xiii. Cost investigations were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the petitioner so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry;
- xiv. Investigations were carried out for the period from starting 1<sup>st</sup> Oct., 1996 to 30<sup>th</sup> Sept., 1997.

3178 GI/98

**B. PETITIONER'S VIEWS**

2. The petitioner has raised the following issues in their petition:

- (a) K K Poonja & Sons has pioneered the manufacturing of the subject goods in India, based on the technology developed by National Chemical Laboratories. K K Poonja is exporting the subject goods as also the technology.
- (b) Rhone Poulenc first appointed a local agent in India to whom they extended extraordinary credit terms. The petitioner received a strong warning from the exporter's office in India to stop manufacturing the subject goods and face closure. This was followed by dumping of the goods at prices far below cost.
- (c) There are three major suppliers of the subject goods in the world, Rhone Poulenc of France, Borregard Italia of Italy and Dai Nippon of UK.
- (d) Average demand of the subject goods in India is about 35 MT and the same is about 3000-4000 MT globally. Even one lost sale can affect the working of the petitioner seriously. The petitioner cannot suffer the unfair price war even for a limited time.

**C. VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES**

3. Rhone Poulenc has responded to the notice of initiation of the investigations. The company has, however, furnished its response only on 29.6.98, though the Authority allowed it to file time upto 30<sup>th</sup> April, 1998 as per requests by the company. The Authority has, however, accepted the questionnaire response filed by the company for the purpose of preliminary determination. The views expressed by them have been discussed below and the same have been dealt at appropriate places.

- (a) The speciality chemicals, fibres and polymers business of the company has been combined and spun off into a separate company – Rhodia Chimie.
- (b) The company produces the raw material required for making P Tert Butyl Catechol, namely Catechol.
- (c) The company is selling various inhibitors into India, PTBC is one of them. The policy of the exporter is to grow its inhibitors business in India. The company is not randomly looking out to secure new business at any cost. It is following a plan of complementing our inhibitor portfolio and is actively looking for synergies in a planned and methodical way. The pricing differs between Europe, North America and Asia, the Asian region generally having the lowest prices. Within Asia, the prices offered in Taiwan and Korea are lower compared to India. The price depends upon the other business which the company may have. The pricing is according to the local market conditions.
- (d) The current import duty on PTBC is 35%, whereas the petitioner has mentioned as 36%.

- (e) The company, whose name has been indicated by the petitioner as the agent of the exporter is in fact its distributor, who stocks and sells PTBC. The indenting is done by their company incorporated in India.
- (f) The injury being felt by the petitioner is on account of significantly high price paid by the petitioner for the major raw materials.

#### D. EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED

4. The submissions made by the exporter, importers, petitioner and other interested parties have been examined, considered and have been dealt at appropriate places hereinafter.

#### E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

5. The product under consideration in the present investigations is Para Tertiary Butyl Catechol (also referred to as P Tert Butyl Catechol or PTBC in this report) of all forms/grades/purities. P Tert Butyl Catechol is classified under custom sub-heading 2915.39 of Schedule 1 of the Customs Tariff Act, 1975.
6. PTBC is a polymerisation inhibitor and prevents polymerisation of polymers such as styrene, butadiene, vinyl chloride, vinyl acetate. Addition of PTBC results in increase in the life of these monomers. PTBC is sold in various forms.
7. The manufacturing process, functions & uses indicated above are, however, indicative only and are in no way binding on the scope of the present investigations.

#### F. LIKE ARTICLES

8. In order to examine whether the P Tert Butyl Catechol produced by the domestic industry is a like article to the P Tert Butyl Catechol exported from France, characteristics such as physical characteristics (size, chemical composition, raw material), manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the goods have been considered. The goods exported from France and goods produced by the petitioner have characteristics closely resembling each other and the two are technically and commercially substitutable. The goods produced by the domestic industry are a like article to the goods exported from France within the meaning of Rule 2(d).

#### G. DOMESTIC INDUSTRY

9. The petition has been filed by M/S. K K Poonja & Sons, 7, Khimji Poonja Bhatia Niwas, 233, Samuel Street, Mumbai 400 003. There is one more producer of P Tert Butyl Catechol in India, M/s. Percynic Chemicals, Vapi. The production of the petitioner, however, accounts for a major proportion of the total domestic production in India, as may be seen from the below:

	% share
K K Poonja & Sons	62.5
Percynic Chemicals	37.5

10. The petitioner, therefore, satisfies the standing to file the present petition and constitutes domestic industry in accordance with Rule 2(b) supra.

H. **DUMPING**  
**NORMAL VALUE:**

11. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:
- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
  - (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-
    - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
    - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

12. The Authority provided opportunity to the known exporter from France to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any in accordance with the Section cited above. The Authority wrote to the Embassy of France in India also. Though the Authority allowed Rhone Poulenc to file response latest by 30<sup>th</sup> April, 1998 on request from the exporter, the company filed its response on 26<sup>th</sup> June, 1998. Even though the response filed by the company was significantly after the date allowed by the Authority, the Authority has accepted the response. The Authority deputed a team of officials to the office of the exporter for verifying the information to the extent deemed fit for the purpose of these investigations. The visiting team requested for certain information in support of the claims made by the exporter, which have not been furnished by the company.
13. None of the importers or other interested party(ies) have responded to the notice of Initiation, even though M/s. Vinyl Chemicals (India) Ltd. requested for extension of time, which was allowed by the Authority.

14. The petitioner claimed normal value on the basis of quotation raised by Rhone Poulenc for sales in France. The normal value on this basis works out to US \$ \*\*\* per kg. The petitioner has supplemented its claim of normal value with quotations raised by Rhone Poulenc for sales in USA and Philippines. However, since the exporter has furnished information, the normal value has been determined on the basis of the information furnished by the exporter. The exporter has claimed the following price adjustments for sales in the two markets.

	Exports to India	Sales in home market
Packing	***	***
Inland freight	***	***
Technical Services		***
Total	***	***

15. In view of no price adjustment claimed made by the petitioner from sales in the home market, the Authority considers it appropriate to consider price adjustments on the basis of claims made by the exporter. No price adjustment is called for with regard to packing in view of the same amount of expenditure in the two markets. The Authority has considered adjustment on account of inland freight on the basis of information furnished by the exporter. With regard to the adjustment on account of technical services, the exporter has not furnished any evidence or basis for claiming price adjustment on this account. The exporter failed to furnish any evidence at the time of verification also. No price adjustment has, therefore, been done on this account in view of unsubstantiated claim by the exporter.

16. The normal value on the above basis comes as under:

	Amount (US \$ per kg.)
Selling price	***
Less: Inland freight	***
Normal value	***

#### **EXPORT PRICE:**

17. The export price claimed by the exporter has been correlated with the claims made by the petitioner on this account, which shows that the price claimed by the petitioner is lower than the price claimed by Rhodia Chimie. The claim of the petitioner is based on the quotation raised by Rhone Poulenc and accepted by the importer, M/s. Indian Petrochemical Corpn. Though, the exporter has furnished some photocopy of invoices no exhaustive information in respect of exports made by the company to India could be made available by the exporter at the time of verification.

18. In view of the above, the Authority considers it appropriate to consider CIF export price on the basis of claims made by the petitioner for the purpose of preliminary determination.
19. With regard to the price adjustments from CIF export price to determine ex-works export price, the Authority notes that the petitioner has not claimed any price adjustment from the CIF export price. The exporter has, however, claimed the following price adjustments from the export price and sales in the home market:

	Exports to India	Sales in home market
Packing	***	***
Inland freight	***	***
Technical Services		***
Total	***	***

20. The exporter was requested to furnish necessary information in support of its claim of the above price adjustments. However, the exporter failed to furnish necessary information the visiting team. Though the exporter has not substantiated its claim, the Authority considers it appropriate to allow price adjustments on the basis of the information furnished by the exporter since the petitioner has also not furnished any information with regard to the price adjustment. No price adjustment is called for with regard to packing expenses in view of the same amount of expenditure in the two markets. The Authority has considered adjustment on account of inland freight on the basis of information furnished by the exporter.
21. The ex-works export price on the above basis comes as under:

	Amount (US \$ per kg.)
Export price	***
Less:	
Inland freight	***
Ex works export price	***

**Comparison of normal value and export price:**

22. The rules relating to comparison provides as follows:

"While arriving at margin of dumping, the designated authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability."

23. For the purpose of fair comparison between the normal value and the export price, the Authority may consider taking into account the information furnished by the petitioner, Rhodia Chimie and other published information available with the Authority. The normal value and export price determined, as detailed above, are at ex-works level and therefore, the comparison of normal value with weighted average export price may be considered
24. The dumping margin comes 30%.

#### I. INJURY AND CAUSAL LINK

25. Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "...taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
26. For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, we may consider such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.
27. Volume and Market share of Dumped imports: Imports of P Tert Butyl Catechol from France increased from 2.5 MT in 1996 to 8.5 MT in 1997 resulting in sharp increase in imports in absolute terms as also relative to consumption in India.
28. Export price from France: CIF export price of P Tert Butyl Catechol from France declined from US \$ \*\*\* per kg. (1996) to US \$ \*\*\* per kg. (1997).
29. Economic parameters affecting the domestic industry: The position with regard to various parameters indicating injury is as follows:
  - (a) Production and Capacity Utilisation: The production of the petitioner declined from \*\*\* MT in 1994-95 to \*\*\* MT in 1996-97 and \*\*\* MT in the period of investigation.
  - (b) Sale in absolute terms: Sales in absolute volumes declined significantly from \*\*\* MT (1994-95) to \*\*\* MT (1996-97) and \*\*\*MT in the period of investigation.
  - (c) Stocks: Stock of P Tert Butyl Catechol with the petitioner increased during the period of investigations as compared to previous year from \*\*\* MT (1994-95) to \*\*\* MT (1995-96) and \*\*\* MT in the period of investigation.

- (d) Average Sales Realisation: Average unit sales realisation of the domestic industry declined from \*\*\* per kg. (1994-95) to \*\*\* per kg. (1995-96) and \*\*\* in the period of investigation. The average sales realisation during the period of investigations was significantly lower than cost of production resulting in losses to the petitioner.
- (h) Price Undercutting: The exports from France were significantly undercutting the prices of P Tert Butyl Catechol in the Indian market .
- (i) Profit/Loss: The petitioner was making profits from its sale relating to P Tert Butyl Catechol. However, sales significantly below cost of production in the investigation period resulted in financial losses to the petitioner.

30. Conclusion on injury:

- ◆ The imports of P Tert Butyl Catechol from France increased in absolute terms
- ◆ Exports of P Tert Butyl Catechol from the subject country forced the domestic industry to reduce its prices to unremunerative levels, and prevented the domestic industry from recovering its cost of production and fair selling price, resulting in financial losses to the domestic industry.
- ◆ Various economic indicators relating to domestic industry such as production, capacity utilisation, sales quantities, average sales realisation, stock, losses collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury;

31. It is thus seen the domestic industry has suffered material injury.

J. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

32. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping, which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.
33. It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of P Tert Butyl Catechol. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.



34. To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority has relied upon reasonable selling price of P Tert Butyl Catechol in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production for the domestic industry.

**M. LANDED VALUE:**

35. The landed value has been determined on the basis of weighted average export price of P Tert Butyl Catechol from France, determined as described in the para relating to dumping, after adding the prevailing level of customs duties and one percent landing.

**N. CONCLUSIONS:**

36. It is thus seen, after considering the foregoing, that:
- a. P Tert Butyl Catechol originating in or exported from France has been exported to India below normal value, resulting in dumping;
  - b. The Indian industry has suffered material injury;
  - c. The injury has been caused by the imports from the subject country.

It is considered necessary to impose anti dumping duty, provisionally, pending final determination, on all imports of P Tert Butyl Catechol originating in or exported from the subject country, pending investigations.

37. It was considered whether a duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove the injury. Landed price of the imports, for the purpose, was compared with the fair selling price of the domestic industry, determined for the period of investigations. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended. Accordingly, it is proposed that provisional anti dumping duties be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods in India originating in or exported from France falling under Chapter 29 of the Customs Tariff, pending final determination. The anti-dumping duty shall be the difference between Rs. 320.71 per kg. and the landed price of imports per kg. subject to a minimum of Rs. 36.99 per kg.
38. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

**M. FURTHER PROCEDURE:**

39. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- a. The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- b. Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the despatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- c. The Authority would conduct verifications to the extent deemed necessary. No fresh evidence will be accepted at this stage;
- d. The Authority would provide opportunity to all interested parties for oral submissions, for which the date and time shall be communicated to all known interested parties separately;
- e. The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority